समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 19 September 2026

Miss Universe 2025: मनिका विश्वकर्मा टॉप 12 मे नंहीं पहुंचीं, फातिमा बॉश बनीं नई ब्रह्मांड सुंदरी

Publisher

Published on 21 Nov 2025

थाईलैंड में आयोजित मिस यूनिवर्स 2025 का नतीजा आते ही दुनिया भर में करोड़ों लोगों की नजरें टीवी स्क्रीन पर टिक गईं। इस भव्य कार्यक्रम का फिनाले 8 बजे जैसे ही अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंचा, भारत में मौजूद दर्शकों की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा। देश की प्रतिनिधि मनिका विश्वकर्मा टॉप 12 की सूची में जगह नहीं बना सकीं और इस प्रकार भारत के चौथे मिस यूनिवर्स ताज का इंतजार एक बार फिर लंबा हो गया। जिस प्रतियोगिता का रोमांच कई दिनों से चरम पर था, उसका अंत मिश्रित भावनाओं के साथ हुआ—एक ओर भारत में निराशा, तो दूसरी ओर मैक्सिको में जश्न।

मनिका विश्वकर्मा ने जब मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 का खिताब जीता था, तभी से उन्हें लेकर भारतीयों की उम्मीदें बेहद ऊँची थीं। उनकी खूबसूरती, आत्मविश्वास और मंच पर उनकी प्रभावशाली मौजूदगी ने फैंस को विश्वास दिलाया था कि वह दुनिया की इन 122 प्रतिभाशाली और खूबसूरत प्रतिभागियों के बीच चमक सकती हैं। शुरुआती राउंड्स के दौरान उन्होंने अपने प्रदर्शन से कई लोगों का ध्यान भी आकर्षित किया और टॉप 30 में जगह बनाकर एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरीं।

लेकिन जैसे-जैसे प्रतियोगिता निर्णायक चरणों की ओर बढ़ी, मुकाबला और कठिन होता गया। प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों में न केवल ग्लैमर, बल्कि बुद्धिमत्ता, सामाजिक समझ, प्रस्तुति कौशल और मंच पर आत्मविश्वास जैसे सारे तत्व शामिल थे। इसी बीच टॉप 12 की घोषणा वह क्षण था जिसने भारतीय दर्शकों के दिलों को थाम दिया, लेकिन सूची में मनिका का नाम न होने से बड़ी निराशा हाथ लगी। फाइनल चरण में आगे बढ़ने से चूकने के साथ ही भारत का खिताब जीतने का सपना भी इस वर्ष अधूरा रह गया।

दूसरी ओर, इस मंच पर फातिमा बॉश ने मैक्सिको के लिए इतिहास रच दिया। उनकी सुंदरता ने जहाँ लोगों का ध्यान खींचा, वहीं उनकी सधी हुई बातचीत, समझदारी और बुद्धिमत्तापूर्ण उत्तरों ने जजों पर गहरी छाप छोड़ी। फातिमा पूरे कार्यक्रम के दौरान आत्मविश्वास से भरी नजर आईं और अंतिम राउंड में अपने विचारों को सटीकता और गरिमा के साथ पेश किया। यही कारण रहा कि उन्होंने दुनिया भर की प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए मिस यूनिवर्स 2025 का ताज अपने नाम किया। जैसे ही उनके सिर पर

ताज सजाया गया, पूरे सभागार में उत्साह की लहर दौड़ गई, और मैक्सिको में इस जीत का जश्न शुरू हो गया।

मिस यूनिवर्स जैसी प्रतियोगिताएं केवल सुंदरता की परिभाषा नहीं बदलतीं बल्कि यह मंच दुनिया भर की महिलाओं को अपने विचारों और क्षमताओं को सामने लाने का अवसर देता है। मनिका ने भी इस मंच पर शानदार यात्रा की, भले ही वह खिताब की दौड़ में आगे नहीं बढ़ सकीं, लेकिन उन्होंने देश की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का संदेश अवश्य छोड़ा है। भारत में सोशल मीडिया पर भी उन्हें जबरदस्त समर्थन जारी है और कई लोग उनके प्रयासों की सराहना कर रहे हैं।

भारत के लिए यह वर्ष भले ही निराशाजनक रहा हो, लेकिन मनिका की भागीदारी और प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया कि भारतीय प्रतिभाएँ हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर दमदार उपस्थिति दर्ज करा सकती हैं। अब देश को अगले वर्ष की प्रतियोगिता का इंतजार है, जहां नई भारतीय प्रतिनिधि एक बार फिर विश्व मंच पर ताज जीतने की कोशिश करेगी। उधर, फातिमा बॉश के मिस यूनिवर्स बनने के बाद मैक्सिको में खुशी की लहर दौड़ चुकी है और यह उपलब्धि उनके देश के लिए गर्व का बड़ा क्षण बन गई है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.